**भारत सरकार**
**पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय**
**भारत मौसम विज्ञान विभाग**

**प्रेस विज्ञप्ति**
**तारीख: 03 फ़रवरी, 2026**
**जारी करने का समय: 1320 घंटे**

**विषय: (i) अगले 07 दिनों के दौरान तीन पश्चिमी विक्षोभ पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र को प्रभावित कर सकते हैं।**

**(ii) आज, 3 फरवरी, 2026 को पूर्वी राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में हल्की से मध्यम छिटपुट/ अलग-थलग बारिश होने की संभावना है।**

**(iii) 05 फरवरी, 2026 तक हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों और उत्तरी मध्य प्रदेश में कुछ जगहों पर सुबह/रात के समय घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की संभावना है।**

**पिछले 24 घंटों में हुई वास्तविक मौसम (आज 03 फ़रवरी, 2026 को सुबह 0830 बजे IST तक):**

- पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में कई स्थानों पर घने से बहुत घने कोहरे (दृश्यता <50 मीटर) की स्थिति बनी रही; उत्तर प्रदेश में कुछ स्थानों पर; हिमाचल प्रदेश, मेघालय, पूर्वी राजस्थान और पश्चिम मध्य प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में और दिल्ली के कई हिस्सों में घना कोहरा (दृश्यता 50-199 मीटर) की स्थिति; उत्तराखंड के अलग-अलग हिस्सों में।
- रिपोर्ट की गई दृश्यता (मीटर में ≤200 मीटर): पंजाब: आदमपुर (10), बल्लोवाल सौंखरी (10 मीटर), भटिंडा (<50 मीटर), हलवारा (100 मीटर); हरियाणा, चंडीगढ़: चंडीगढ़ एपी (0 मीटर), हिसार (30 मीटर), करनाल (40 मीटर), अंबाला (30 मीटर), नारनौल (60 मीटर), पश्चिमी उत्तर प्रदेश: एम्स अलीगढ़, हिंडन (आईएएफ), सरसावा (आईएएफ), आगरा (आईएएफ), बरेली (आईएएफ) (00) प्रत्येक, आगरा (ताज) (30), एम्स मोरादाबाद, नजीबाबाद और मेरठ (50) प्रत्येक, बरेली (80), मुरादाबाद और मुजफ्फरनगर (100) प्रत्येक; पूर्वी उत्तर प्रदेश: एम्स अयोध्या और गोरखपुर (आईएएफ) (00) प्रत्येक, गोरखपुर (10), बहराईच (40), एएमएस कुशीनगर और कानपुर (शहर) (50) प्रत्येक, फतेहगढ़ (100), हरदोई (150), आज़मगढ़ और बाराबंकी (200) प्रत्येक; हिमाचल प्रदेश: बिलासपुर(30); उत्तराखंड: घना कोहरा: जौलीग्रांट, पंतनगर, खटीमा, रूड़की, लक्सर, भगवानपुर; पूर्वी राजस्थान: सीकर(<50m); पश्चिमी मध्य प्रदेश: ग्वालियर (0), भोपाल (100); मेघालय: बारापानी (30), दिल्ली: सफदरजंग, पालम 100 प्रत्येक।
- जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद और हिमाचल प्रदेश में कई जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश/बर्फबारी हुई।
- उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और पूर्वी राजस्थान में अलग-अलग जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश हुई।
- हिमाचल प्रदेश में 30-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ गरज-चमक के साथ आंधी आई।
- पश्चिमी उत्तर प्रदेश में ओलावृष्टि हुई।

**पिछले 24 घंटों में न्यूनतम तापमान की स्थिति (सुबह 0830 बजे IST तक):**

- जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद और हिमाचल प्रदेश में न्यूनतम तापमान 0-5°C था और उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों, मध्य प्रदेश, सिक्किम, असम, मेघालय, मिजोरम और मणिपुर में 5-10°C था। देश के बाकी

हिस्सों में यह 10°C और उससे ज़्यादा था, सिवाय जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद के ऊँचे इलाकों को छोड़कर जहाँ यह 0°C से कम था।

- न्यूनतम तापमान में सामान्य से ज़्यादा (3°C से 5°C) की बढ़ोतरी पंजाब, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र, बिहार, गुजरात और सौराष्ट्र और कच्छ में देखी गई; पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र, ओडिशा, तेलंगाना, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, असम और मेघालय और गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, केरल और माहे, लक्षद्वीप और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में (1°C से 3°C) की बढ़ोतरी हुई और देश के बाकी हिस्सों में सामान्य के करीब रहा। (परिशिष्ट IV देखें)
- भारत के मैदानी इलाकों में सबसे कम न्यूनतम तापमान 3.6°C भटिंडा (पंजाब) में दर्ज किया गया।

**मौसम प्रणालियां, पूर्वानुमान एवं चेतावनियां (संलग्नक I एवं II देखें):**

- उत्तरी पाकिस्तान और उससे सटे पंजाब के ऊपर निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तरों में एक चक्रवाती परिसंचरण के रूप में पश्चिमी विक्षोभ देखा जा रहा है, जिसका गर्त मध्य ट्रोपोस्फेरिक स्तर में लगभग देशांतर 70°E के साथ अक्षांश 25°N के उत्तर में है।
- एक प्रेरित चक्रवाती परिसंचरण निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तर में उत्तर-पूर्वी पंजाब और उसके आसपास के क्षेत्र में बना हुआ है।
- इसके बाद, दो नए पश्चिमी विक्षोभ पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र को प्रभावित करने की संभावना है, पहला 05 फरवरी की रात से और दूसरा 8 फरवरी 2026 की रात से।
- निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तर में लक्षद्वीप और उससे सटे दक्षिण-पूर्वी अरब सागर के ऊपर एक चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तर में दक्षिणी केरल से कर्नाटक तट तक एक गर्त बना हुआ है।
- औसत समुद्र तल से 12.6 किमी ऊपर 130 समुद्री मील की मुख्य हवाओं वाली उपोष्णकटिबंधीय पछुआ जेट स्ट्रीम उत्तर-पूर्वी भारत में बनी हुई है।

**उपरोक्त प्रणालियों के प्रभाव से संभावित मौसम:**

- 3 फरवरी को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में गरज-चमक और तेज़ हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटा) के साथ हल्की से काफी व्यापक बारिश/बर्फबारी होने की संभावना है।
- 5 और 6 फरवरी को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में गरज-चमक और तेज़ हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटा) के साथ कहीं-कहीं से लेकर हल्की बारिश/बर्फबारी होने की संभावना है।
- 8 और 9 फरवरी को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में गरज-चमक के साथ कहीं-कहीं से लेकर हल्की बारिश/बर्फबारी होने की संभावना है और 9 फरवरी को उत्तर-पश्चिमी और मध्य भारत के मैदानी इलाकों में कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है।
- 3 फरवरी 2026 को उत्तर प्रदेश में गरज-चमक और तेज़ हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटा, 50 किमी प्रति घंटा तक) के साथ कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की संभावना है।
- 3 फरवरी 2026 को पूर्वी उत्तर प्रदेश में भी कहीं-कहीं ओलावृष्टि होने की संभावना है।

**न्यूनतम तापमान का पूर्वानुमान:**

- अगले 7 दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत में न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है।
- अगले 48 घंटों के दौरान महाराष्ट्र में न्यूनतम तापमान में 2-3°C की धीरे-धीरे बढ़ोतरी होगी, अगले 3 दिनों में 2-3°C की धीरे-धीरे गिरावट आएगी और उसके बाद कोई खास बदलाव नहीं होगा।

**घना कोहरा, शीत दिवस चेतावनियां:**

- 4 तारीख तक पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और उत्तर प्रदेश में कुछ जगहों पर सुबह/रात के समय घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की संभावना है और 4 तारीख तक राजस्थान में घना कोहरा रहेगा; हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में 5 तारीख तक; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 6 तारीख तक; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 4 और 5 फरवरी 2026 को और बिहार में 4 से 6 फरवरी 2026 के दौरान घना कोहरा रहेगा।

दिल्ली/एनसीआर में 03-06 फ़रवरी 2026 तक मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक III)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

मछुआरों की चेतावनी के लिए: https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php

अनुलग्नक I

Table-1

7 Days Rainfall Forecast

| S.No. | Subdivision | 3- Feb | 4- Feb | 5- Feb | 6- Feb | 7- Feb | 8- Feb | 9- Feb |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Day 1 | Day 2 | Day 3 | Day 4 | Day 5 | Day 6 | Day 7 |
| 1 | ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS | DRY | ISOL | ISOL | DRY | DRY | DRY | ISOL |
| 2 | ARUNACHAL PRADESH | ISOL | ISOL | ISOL | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 3 | ASSAM & MEHGHALAYA | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 4 | NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 5 | SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM | ISOL | ISOL | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 6 | GANGETIC WEST BENGAL | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 7 | ODISHA | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 8 | JHARKHAND | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 9 | BIHAR | ISOL | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 10 | EAST UTTAR PRADESH | SCT | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 11 | WEST UTTAR PRADESH | ISOL | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | ISOL |
| 12 | UTTARAKHAND | ISOL | DRY | DRY | ISOL | DRY | DRY | ISOL |
| 13 | HARYANA, CHANDIGARH & DELHI | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | ISOL |
| 14 | PUNJAB | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | ISOL |
| 15 | HIMACHAL PRADESH | SCT | DRY | DRY | ISOL | DRY | ISOL | SCT |
| 16 | JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH | FWS | DRY | ISOL | SCT | DRY | ISOL | SCT |
| 17 | WEST RAJASTHAN | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | ISOL |
| 18 | EAST RAJASTHAN | ISOL | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | ISOL |
| 19 | WEST MADHYA PRADESH | ISOL | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | ISOL |
| 20 | EAST MADHYA PRADESH | ISOL | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | ISOL |
| 21 | GUJRAT REGION | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 22 | SAURASHTRA & KUTCH | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 23 | KONKAN & GOA | ISOL | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 24 | MADHYA MAHARASHTRA | ISOL | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 25 | MARATHWADA | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 26 | VIDARBHA | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 27 | CHHATTISGARH | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 28 | COASTAL ANDHRA PRADESH | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 29 | TELANGANA | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 30 | RAYALASEEMA | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 31 | TAMILNADU & PUDUCHERRY | ISOL | ISOL | ISOL | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 32 | COSTAL KARNATAKA | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 33 | NORTH INTERIOR KARNATAKA | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 34 | SOUTH INTERIOR KARNATAKA | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 35 | KERALA AND MAHE | ISOL | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 36 | LAKSHADWEEP | SCT | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।

**अनुलग्नक II**

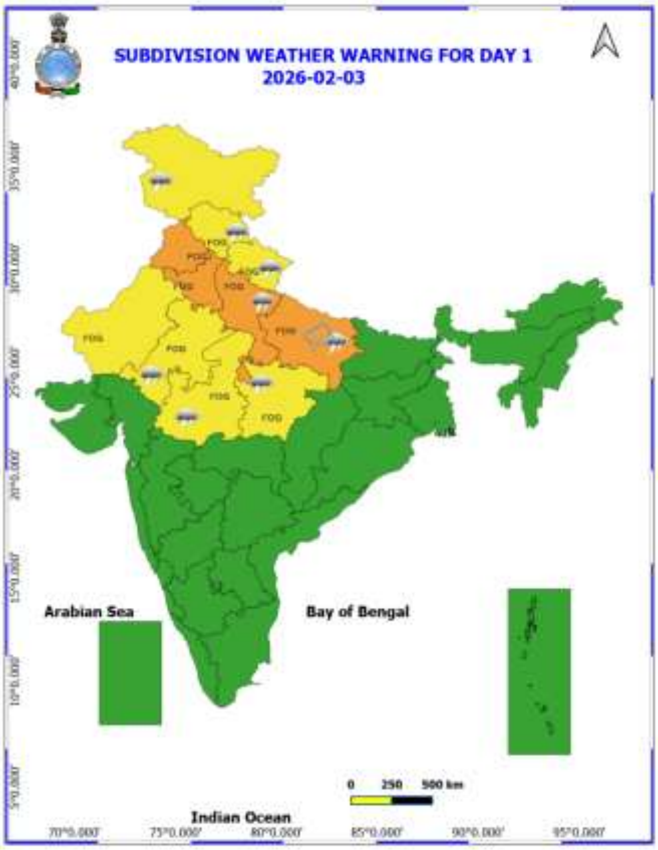
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2026-02-03
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km
70°0.000' 75°0.000' 80°0.000' 85°0.000' 90°0.000' 95°0.000'

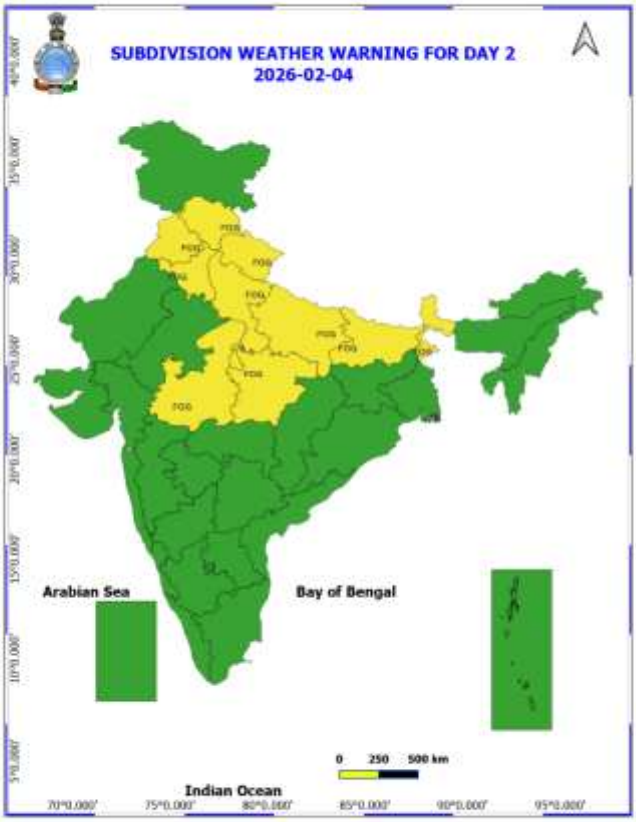
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2026-02-04
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km
70°0.000' 75°0.000' 80°0.000' 85°0.000' 90°0.000' 95°0.000'

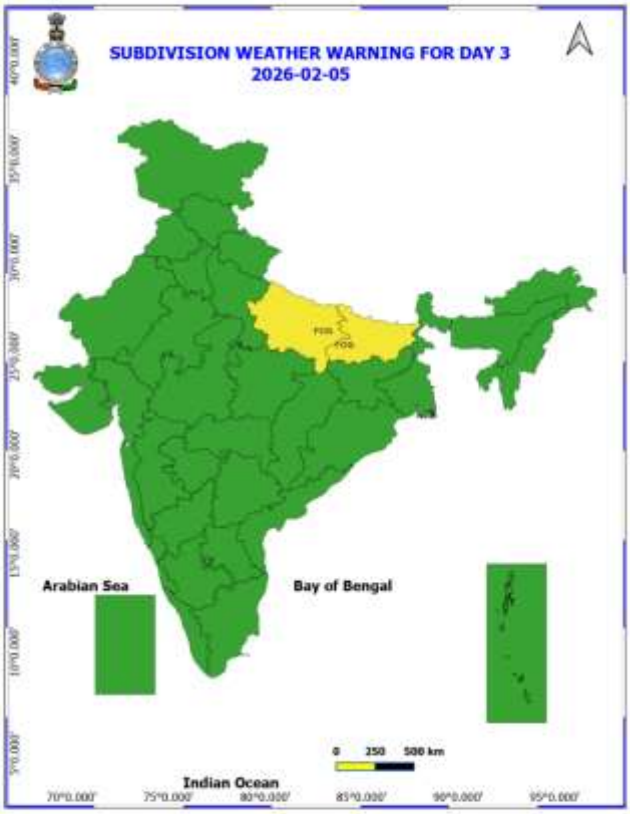
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2026-02-05
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km
70°0.000' 75°0.000' 80°0.000' 85°0.000' 90°0.000' 95°0.000'

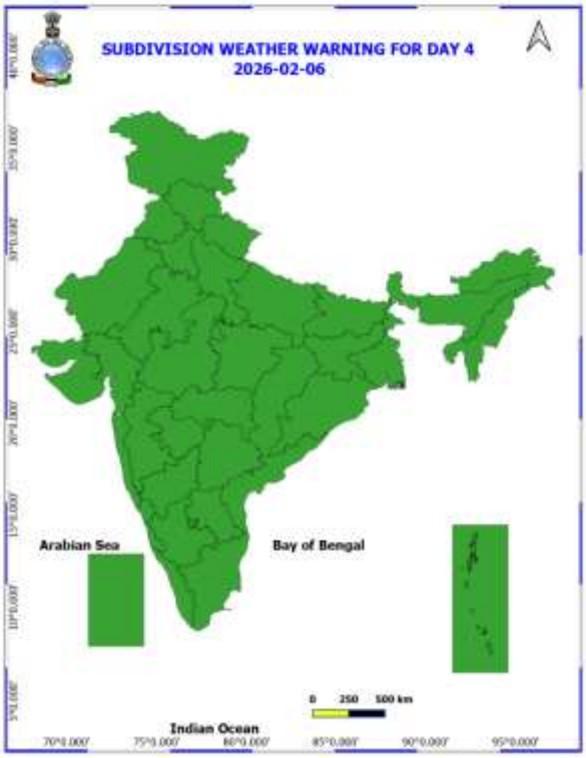


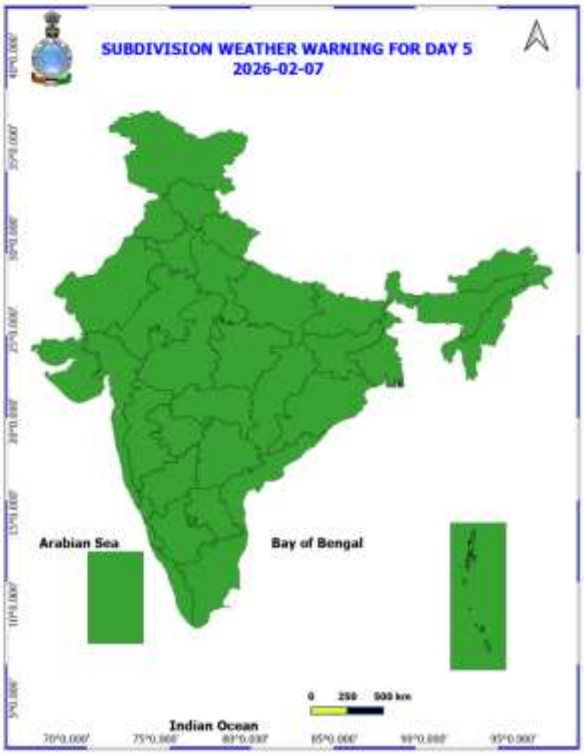


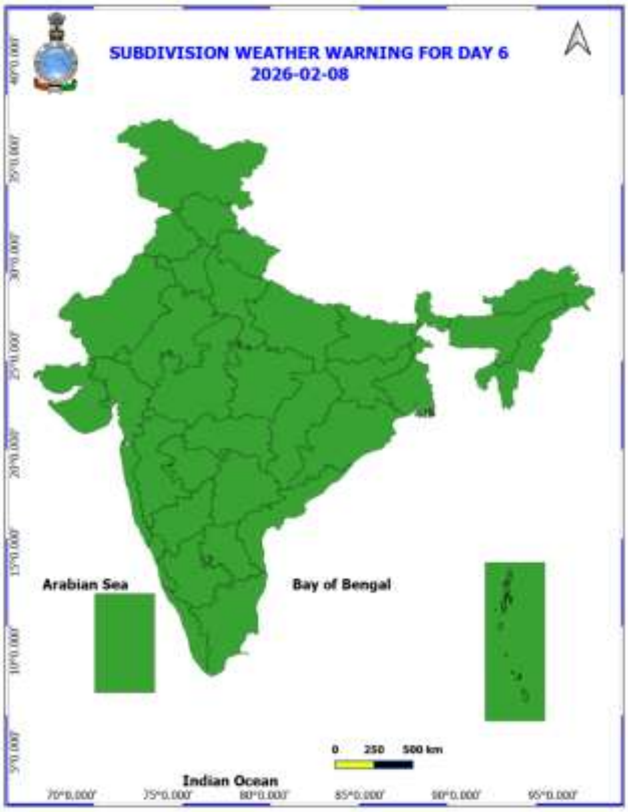


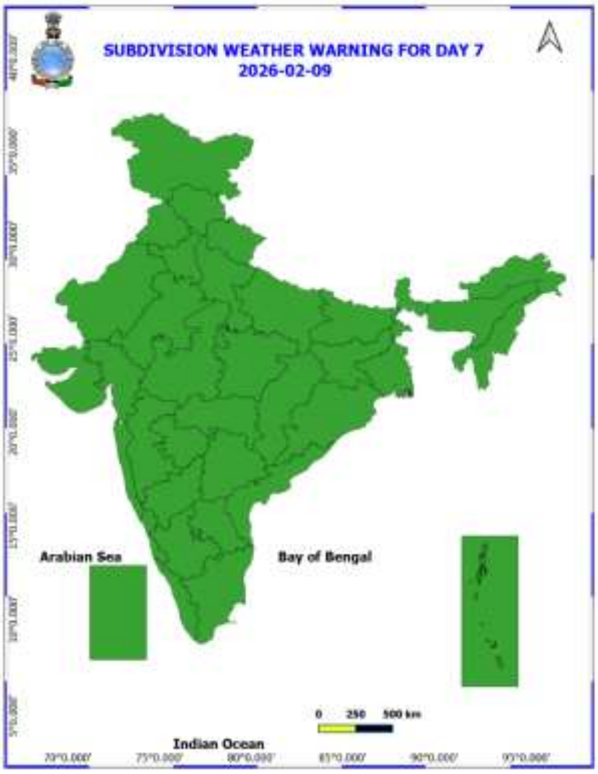


- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

**अनुलग्नक III**

**03-06 फरवरी 2026 के दौरान दिल्ली/NCR का मौसम पूर्वानुमान**

**पिछला मौसम:**

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में न्यूनतम तापमान में 1-2°C और अधिकतम तापमान में 5°C - 7°C तक की गिरावट आई है। दिल्ली में अधिकतम तापमान लगभग 17°C से 18°C और न्यूनतम तापमान क्रमशः 09°C-11°C के आसपास रहा। न्यूनतम तापमान कुछ जगहों पर सामान्य से ऊपर (1.6°C से 3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। अधिकतम तापमान कई जगहों पर सामान्य से काफी कम (-5.1°C या उससे कम) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहा। सफदरजंग एयरपोर्ट पर 0330 IST से 0630 IST तक सबसे कम विजिबिलिटी 50m रही, जो इसके बाद आज, 03-02-2026 को 0730 IST से बढ़कर 100m हो गई। पालम एयरपोर्ट पर 02-02-2016 के 1200 IST से 0930 IST तक सबसे कम विजिबिलिटी 100m रही, जो इसके बाद आज, 03-02-2026 को 1000 IST से बढ़कर 200m हो गई। आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहे। पिछले 24 घंटों के दौरान पश्चिम दिशा से 13 kmph तक की गति से हवाएं चलीं। आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहे। सुबह तक कई जगहों पर घना से मध्यम कोहरा रहा। आज सुबह क्षेत्र में दक्षिण-पश्चिम दिशा से 10 kmph तक की गति से हवाएं चलेंगी।

**मौसम का पूर्वानुमान:**

**03.02.2026:** आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। रात में धुंध/हल्का कोहरा रहेगा। अधिकतम तापमान 20°C से 22°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6 से -3.0°C) रहेगा। दोपहर के समय मुख्य सतही हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से 10 kmph तक की गति से चलने की संभावना है। शाम और रात में हवा की गति कम होकर उत्तर दिशा से 06 kmph से कम हो जाएगी।

**04.02.2026:** आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय कई जगहों पर हल्का कोहरा और कुछ जगहों पर घना कोहरा रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 21°C से 23°C और 08°C से 10°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा और अधिकतम तापमान भी दिल्ली में सामान्य के करीब रहेगा। सतह पर मुख्य हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 10 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकती है। दोपहर में हवा की गति बढ़कर उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात में हवा की गति कम होकर उत्तर-पश्चिम दिशा से 12 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी।

**05.02.2026:** आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय कई जगहों पर हल्का कोहरा और कुछ जगहों पर मध्यम कोहरा रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 21°C से 23°C और 08°C से 10°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा और अधिकतम तापमान भी दिल्ली में सामान्य के करीब रहेगा। सतह पर मुख्य हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 12 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकती है। दोपहर में हवा की गति बढ़कर उत्तर-पश्चिम दिशा से 16 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात में हवा की गति कम होकर उत्तर-पश्चिम दिशा से 12 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी।

**06.02.2026:** आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिन के समय सतह पर तेज़ हवाएँ चलेंगी जिनकी गति 20 - 30 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकती है। सुबह के समय हल्का कोहरा रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 22°C से 24°C और 09°C से 11°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा और अधिकतम तापमान भी दिल्ली में सामान्य के करीब रहेगा। सतह पर मुख्य हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 18 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। दोपहर में हवा की गति बढ़कर उत्तर-पश्चिम दिशा से 25 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात में हवा की गति कम होकर उत्तर-पश्चिम दिशा से 18 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी।

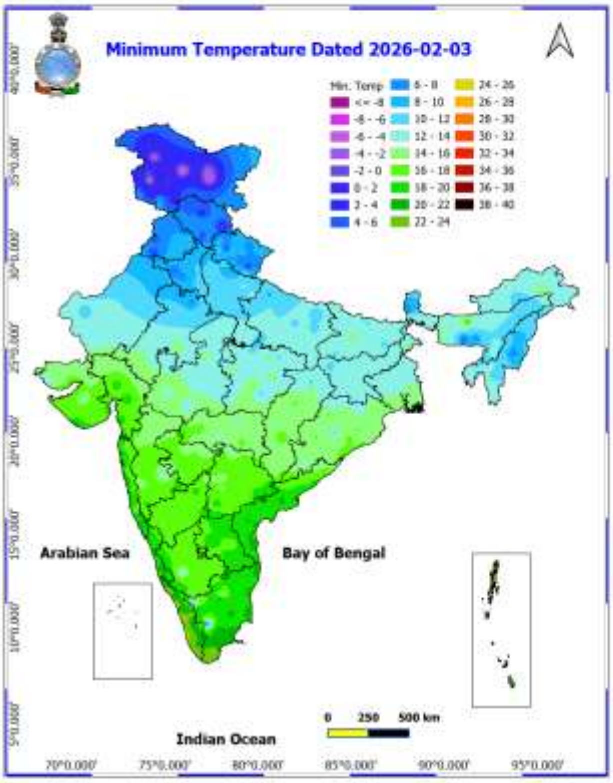


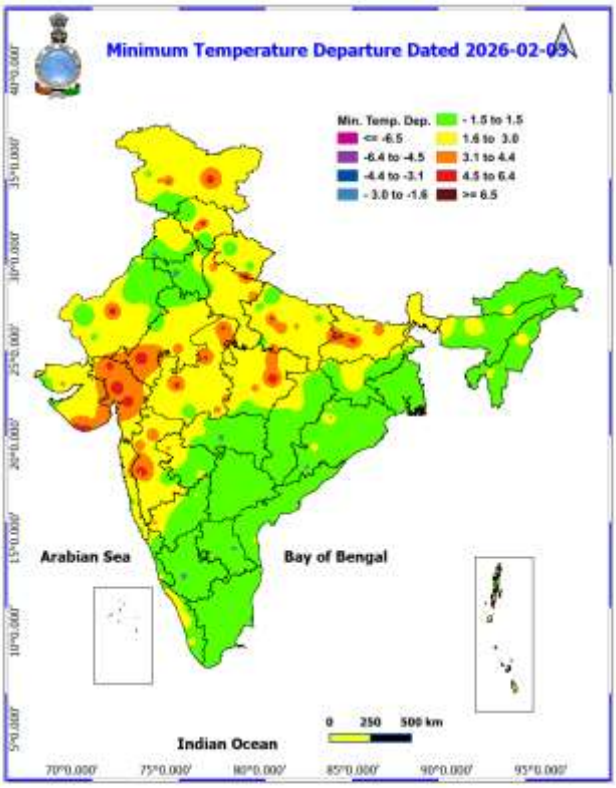


**03 फ़रवरी 2026 को 0830 बजे IST पर मैदानी इलाकों में रिपोर्ट किया गया न्यूनतम तापमान (≤8°C)।**

| NAME | STATE | MINIMUM TEMPERATURE (°C) |
|---|---|---|
| BHATINDA | PUNJAB | 3.6 |
| CHURU | RAJASTHAN | 7.4 |
| AMRITSAR | PUNJAB | 7.7 |
| LUDHIANA | PUNJAB | 8.6 |
| PATIALA | PUNJAB | 8.6 |
| PALAM | DELHI | 8.6 |
| ROHTAK | HARYANA | 8.8 |
| SABAUR | BIHAR | 8.8 |
| KARNAL | HARYANA | 9.1 |
| GANGANAGAR | RAJASTHAN | 9.1 |
| AMBALA | HARYANA | 9.3 |
| SAFDARJUNG | DELHI | 9.4 |
| CHANDIGARH | CHANDIGARH | 9.8 |

**अलग-अलग जगहों पर बिजली कड़कने/तेज़ हवाओं और ओलावृष्टि के साथ गरज-चमक वाले तूफान के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए कदम**

- 3 फरवरी को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में गरज-चमक और तेज़ हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटा) के साथ हल्की से काफी व्यापक बारिश/बर्फबारी होने की संभावना है।
- 5 और 6 फरवरी को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में गरज-चमक और तेज़ हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटा) के साथ कहीं-कहीं से लेकर हल्की बारिश/बर्फबारी होने की संभावना है।
- 8 और 9 फरवरी को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में गरज-चमक के साथ कहीं-कहीं से लेकर हल्की बारिश/बर्फबारी होने की संभावना है और 9 फरवरी को उत्तर-पश्चिमी और मध्य भारत के मैदानी इलाकों में कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है।

- ❖ 3 फरवरी 2026 को उत्तर प्रदेश में गरज-चमक और तेज़ हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटा, 50 किमी प्रति घंटा तक) के साथ कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 3 फरवरी 2026 को पूर्वी उत्तर प्रदेश में भी कहीं-कहीं ओलावृष्टि होने की संभावना है।

**संभावित असर:**

- ❖ पेड़ों की डालियां टूट सकती हैं, बड़े पेड़ जड़ से उखड़ सकते हैं। पेड़ों से बड़ी सूखी डालियां गिर सकती हैं। खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ❖ केले और पपीते के पेड़ों को हल्का से लेकर बड़ा नुकसान हो सकता है।
- ❖ डालियां टूटने से बिजली और संचार लाइनों को हल्का से लेकर बड़ा नुकसान हो सकता है।
- ❖ तेज़ हवा/ओले बागवानी, खेती और खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचा सकते हैं।
- ❖ ओलों से खुले स्थानों पर लोगों और मवेशियों को चोट लग सकती है।
- ❖ तेज़ हवाओं से कमज़ोर ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है।
- ❖ कच्चे घरों/दीवारों और झोपड़ियों को हल्का नुकसान हो सकता है।
- ❖ ढीली चीज़ें उड़ सकती हैं।

**सुझाए गए कदम:**

- ❖ लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम पर नज़र रखें और हालात बिगड़ने पर सुरक्षित जगहों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- ❖ घर के अंदर रहें, खिड़कियां और दरवाज़े बंद रखें और अगर हो सके तो यात्रा करने से बचें।
- ❖ सुरक्षित जगहों पर शरण लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें।
- ❖ कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और कंक्रीट की दीवारों से सटकर न खड़े हों।
- ❖ बिजली के उपकरणों को अनप्लग कर दें।
- ❖ तुरंत पानी वाली जगहों से बाहर निकल जाएं।
- ❖ बिजली का संचालन करने वाली सभी चीज़ों से दूर रहें।

**सुबह के समय घने/बहुत घने कोहरे के कारण प्रभाव पड़ने की आशंका है:**

5 फरवरी, 2026 तक हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों और उत्तरी मध्य प्रदेश में कुछ जगहों पर सुबह/रात के समय घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की संभावना है।

परिवहन और विमानन:

- मौसम उप-विभाग के अंतर्गत आने वाले कुछ हवाई अड्डों, राजमार्गों और रेलवे मार्गों पर इसका प्रभाव पड़ सकता है।
- यातायात कठिन हो सकता है और यात्रा में अधिक समय लग सकता है।
- एहतियाती उपाय न अपनाने पर सड़क दुर्घटनाएं हो सकती हैं।

❖ बिजली क्षेत्र:

- बहुत घने कोहरे वाले मार्गों में बिजली लाइनों के ट्रिप होने की संभावना।

❖ मानव स्वास्थ्य:

• फेफड़ों से संबंधित स्वास्थ्य प्रभाव: घने कोहरे में कणिका तत्व और अन्य प्रदूषक होते हैं और इनके संपर्क में आने पर ये फेफड़ों में जमा हो जाते हैं, उन्हें अवरुद्ध कर देते हैं और उनकी कार्यात्मक क्षमता को कम कर देते हैं जिससे घरघराहट, खांसी और सांस लेने में तकलीफ बढ़ जाती है।
• अस्थमा, ब्रोंकाइटिस से पीड़ित लोगों पर प्रभाव: लंबे समय तक घने कोहरे के संपर्क में रहने से अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और फेफड़ों से संबंधित अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित लोगों को सांस लेने में समस्या हो सकती है।
• आँखों में जलन: घने कोहरे में विभिन्न प्रकार के प्रदूषण होते हैं और हवा में मौजूद ये प्रदूषक आँखों की झिल्लियों में जलन पैदा कर सकते हैं जिससे विभिन्न संक्रमण हो सकते हैं जिससे आँखों में लालिमा या सूजन आ सकती है।

**सुझाई गई कार्रवाई:**

❖ परिवहन और विमानन:

• वाहन चलाते समय या किसी भी परिवहन से यात्रा करते समय सावधान रहें।

- वाहन चलाते समय फॉग लाइट का प्रयोग करें।
- अपनी यात्रा के कार्यक्रम के लिए एयरलाइन, रेलवे और राज्य परिवहन से संपर्क में रहें।

❖ विद्युत क्षेत्र:

- रखरखाव टीम को तैयार रखना।
- मानव स्वास्थ्य: आपातकालीन स्थिति को छोड़कर बाहर जाने से बचना और चेहरा ढकना चाहिए।

### ओलावृष्टि के संभावित असर के लिए एग्रोमेट सलाह

पूर्वी उत्तर प्रदेश में बागों और सब्जियों के पौधों को बचाने के लिए ओला जाल का इस्तेमाल करें।

### आंधी/तेज हवाओं के संभावित असर के लिए एग्रोमेट सलाह

तेज हवाओं से गिरने से बचाने के लिए बागवानी फसलों को मैकेनिकल सपोर्ट दें और सब्जियों और छोटे फलों के पौधों/फल देने वाले पौधों को सहारा दें।

### पशुधन

❖ ओलावृष्टि के दौरान जानवरों को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित चारा दें। खराब होने से बचाने के लिए चारा और भूसा सुरक्षित जगह पर स्टोर करें।

### किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- **भारी वर्षा:** 64.5-115.5 मिमी; **बहुत भारी वर्षा:** 115.6-204.4 मिमी; **अत्यधिक भारी वर्षा:** >204.4 मिमी।

### मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

# LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

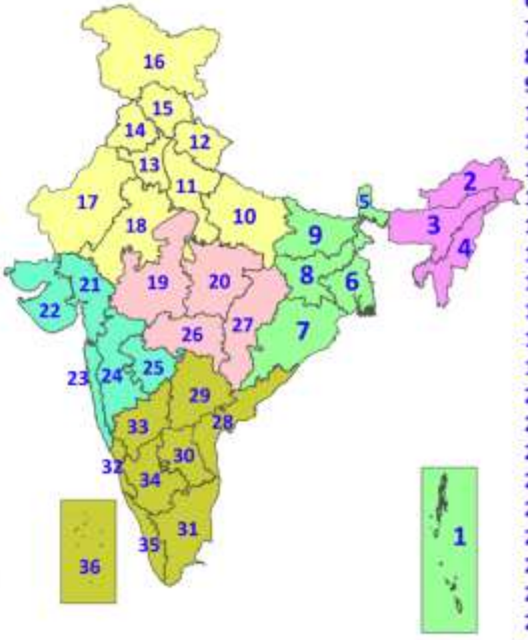


1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

## SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

| % Stations | Category | % Stations | Category |
|---|---|---|---|
| 76-100 | Widespread (WS/Most Places) | 26-50 | Scattered (SCT/A Few Places) |
| 51-75 | Fairly Widespread (FWS/Many Places) | 1-25 | Isolated (ISOL) |

- Fog
- Heavy Rain
- Very Heavy Rain
- Extremely Heavy Rain
- Thunder & Lightning
- Hailstorm
- Dust Raising Winds
- Heavy Snow
- Dust Storm
- Heat Wave
- Warm Night
- Hot Day
- Hot & Humid
- Strong Surface Winds
- Cold Wave
- Cold Day
- Ground Frost

**COLOUR CODED WARNING**

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

### Probabilistic Forecast

| Terms | Probability of Occurrence (%) |
|---|---|
| Unlikely | < 25 |
| Likely | 25 - 50 |
| Very Likely | 50 - 75 |
| Most Likely | > 75 |

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)